ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४६
दिनांक- शुक्रवार, २९ जून, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.१ एवं २६.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ७२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.२ एवं दोपहर में ३४.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गय इस अवधि में ५.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(३० जून से ०४ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३० जून से ०४ जूलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- अगले १-२ दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है, अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। ***हालाँकि, उसके बाद अगले १ से ५ जुलाई के बीच थोड़ा अधिक संभावना के साथ सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है।*** पूर्वानुमानित अवधि में मैदानी भागों के तुलना में तराई के जिलों में अधिक वर्षा होने के अनुमान है।
- अधिकतम तापमान ३४ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिनों तक पूरवा हवा चलने का अनुमान है, उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान का बीज नर्सरी में प्राथमिकता से गिरावें। मध्यम अवधि के लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। १० से १२ दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर-पतवार निकालें।
- अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर, २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीज दर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० x १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- ऊचाँस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई करे। बरसाती भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा आदी फसलों की बुआई करें।
- उचाँस जमीन के लिए धान के अगात किस्मों जैसे- प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र नीलम के बिचड़ो को नर्सरी में प्राथमिकता से गिरावें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलो की दर से मिलाकर बीजोपचार करें।
- लीची के बागों में फलों के तोड़ाई के बाद बागों की सफाई व पेड़ों के उम्र के अनुसार अनुशंसित उर्वरकों का व्यवहार करें, जिससे अगले वर्ष वृक्षों के फलन वृद्धि में सहायक होगा।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर	आज का न्यूनतम तापमानः २५.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी